विद्या - भवन बालिका विद्यापीठ
लखीसराय

दिनांक --- 21 - 5 - 2020
कक्षा --- द्वितीय
विषय --- हिन्दी
विषय शिक्षिका --- निक्की कुमारी

सुप्रभात बच्चों ,

आज हम कल की कक्षा का शेष पढेंगे । प्रकृति ने हमें हवा और पानी के रूप में अनमोल उपहार दिए हैं। हमें इनकी साफ सफाई का ध्यान रखना चाहिए । सूर्य
हमें रोशनी देता है । सूर्य उगते ही सारी दुनिया में अंधेरा छठ कर उजाला हो जाता है ।जिससे हम अपने काम को कर पाते हैं ।अंधेरा रहने पर हमें कुछ दिखाई नहीं देता है।तो हमें भी प्रकृति के लिए कुछ करना चाहिए ।जैसे :-पेड़ पौधे लगाना चाहिए ,साफ सफाई करनी चाहिए ,कूड़े- कचरे को गड्ढे खोदकर गड्ढे में डालना चाहिए ,बाहर जहां तहां नहीं फेंकना चाहिए ,तो आज से प्रण लीजिए ,कि हम जहाँ-तहाँ कूड़े- कचरे को नहीं फेंकेगे । इससे हमारा प्रकृति शुद्ध और स्वच्छ बना रहेगा।

भाषा की समझ:-
(1) कुछ शब्द एक का बोध कराते हैं और कुछ शब्द अनेक का बोध कराते हैं। एक का बोध कराने वाले इन शब्दों के सामने अनेक का बोध कराने वाले शब्द को लिखिए।
क) कटोरी -- कटोरियाँ
ख) दीवार -- _____
ग)दरवाजा --_____
घ)कपड़ा --_____

2) कविता में से "आ" की मात्रा वाले शब्द चुनकर लिखिए --
आना , _____ , _____
_____ ,_____, _____ ,
_____, _____ ।

3) कविता में से तुक वाले शब्द चुनकर लिखिए --

(क)सीले - गीले ,(ख)नहाना - _____

(ग) आना - _____,(घ)बिकता - _____

अक्सर लोग कहते हैं, सूर्योदय हो गया सूर्यास्त हो गया। क्या ऐसा होता है? नहीं । सूरज अपनी जगह पर ही रहता है। पृथ्वी सूरज के चारों ओर चक्कर लगाती है, जिसमें सूर्योदय और सूर्यास्त होता है। लेकिन सूरज ना डूबता है ना उगता है।
एक और बात ,धूप लगने से हमारे शरीर की हड्डियां मजबूत होती हैं। सूर्य की धूप से विटामिन -" डी " मिलती है। तो हमें धूप में भी रहना चाहिए ,जिससे हमारी हड्डियाँ मजबूत रहेगी तो हम स्वस्थ रहेंगे ।
आज के लिए बस इतना ही ।
धन्यवाद